

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 845

जिसका उत्तर 7 फरवरी, 2024 को दिया जाना है।

18 मार्च, 1945 (शक)

सेमीकंडक्टरों का विनिर्माण

845. श्री रमेश बिधुड़ी:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में सेमीकंडक्टरों के उत्पादन/विनिर्माण के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस संबंध में अब तक कोई उद्योग/संयंत्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क)

और

(ख): जीहां,

सरकार समग्र सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के अपने उद्देश्य पर बहुत ध्यान केंद्रित कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि यह बंदले में भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को गति दे । सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ सेमीकॉनडिंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मैनुफैक्चरिंग और डिजाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती उपस्थितिकी मार्ग प्रशस्त करता है।

उपर्युक्त कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित चार योजनाएं शुरू की गई हैं

- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और एक विश्वसनीय मूल्य श्रृंखला स्थापित करने में मदद करने के लिए देश में सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन सुविधाओं की स्थापना के लिए बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए 'भारत में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन की स्थापना के लिए संशोधित योजना'। यह योजना भारत में सिलिकॉन सीएमओएस आधारित सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन की स्थापना के लिए समरूप आधार पर परियोजना लागत के 50% की राजकोषीय सहायता प्रदान करती है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए देश में टीएफटीएलसीडी या एमोलेड आधारित डिस्प्ले पैनल के निर्माण के लिए बड़े निवेश को आकर्षित करने के लिए 'भारत में डिस्प्ले फैब्रिकेशन की स्थापना के लिए संशोधित योजना'।

यह योजना भारत में डिस्प्ले फैब की स्थापना के लिए समरूप आधार पर परियोजना लागत के 50% की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

iii. 'भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर, फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एंड पैकेजिंग (एटीएमपी)/ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए संशोधित स्कीम' भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स (एसआईपीएच)/सेंसर (एमईएमएस सहित), फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर एटीएमपी/ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए सम-रूप आधार पर पूंजीगत व्यय के 50% की राजकोषीय सहायता प्रदान करती है।

iv. 'सेमीकॉनडिंडियाफ्यूचर डिजाइन: डिजाइन लिंकड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना' एकीकृत सर्किट (आईसी), चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप (एसओसी), सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंकड डिजाइन के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और नियोजन के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन, डिजाइन बुनियादी ढांचे का समर्थन प्रदान करती है। यह योजना प्रति आवेदन ₹ 30 करोड़ की सीमा के अधीन प्रति आवेदन 15 करोड़ रुपये की सीमा के अधीन पात्र व्यय के 50% तक "उत्पाद डिजाइन लिंकड प्रोत्साहन" और 5 वर्षों में निवल बिक्री कारोबार के 6% से 4% का "नियोजन संबद्ध प्रोत्साहन" प्रदान करती है।

उपर्युक्त स्कीमों के अतिरिक्त, सरकार ने सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला, मोहाली के ब्राउनफील्ड फैब के रूप में आधुनिकीकरण का भी अनुमोदन किया है।

(ग): वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक माइक्रोनेट्रो लॉजी इंक के प्रस्ताव को भारत में 22,516 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश से सेमीकंडक्टर एटीएमपी सुविधा स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। प्लांट कानिर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसके अतिरिक्त, सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्स और एटीएमपी सुविधाओं की स्थापना के लिए 13 अतिरिक्त प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।
